Title: Reference made to the passing away of Swami Ranganathananda,President of Rama Krishna Mission.

OBITUARY REFERENCE

MR. SPEAKER: Hon. Members, I have to inform the House of the sad demise of Swami Ranganathananda, President of the Rama Krishna Mission.

Swamiji a revered personality, who propagated Indian cultural values world over, had distinguished himself in the field of social service. Under his illustrious leadership, the Rama Krishna Mission rendered yeoman service in various areas particularly for the welfare and upliftment of the weak and the downtrodden.

Swamiji was a firm believer in the values of religious amity and co-existence.

He passed away at Kolkata on 25 April, 2005 at the age of 96 years.

We deeply mourn the loss of Swamiji and I am sure the House would join me in conveying our condolences to the Rama Krishna Mission.

The House may now stand in silence for a short while as a mark of respect to the memory of the departed.

11.0 ? hrs.

The Members then stood in silence for a short while.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I now go to Question Hour. Q. No. 421.

. (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष जी, कल दिन में जब यहां शोर हो रहा था, लालू जी को वक्तव्य रखने की आपने अनुमति दी थी। ...(व्यवधान)...*

.(व्यवधान)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL (CHANDIGARH): Mr. Speaker, Sir, this should not go on record. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will look into it.

. (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : वह वक्तव्य इस शताब्दी का ..*

व्यवधान)

MR. SPEAKER: That word will go out.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, उसके अंदर ऐसी बातों का उल्लेख किया गया है जो यहां हुई ही नहीं हैं।

अध्यक्ष महोदय : हम देख लेंगे।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : उस वक्तव्य में एक नाम लिया गया है।.(व्यवधान) सब लोगों के नाम लिये गये हैं.(व्यवधान) लालू जी के ऊपर चार्जेज फ्रेम हो गये हैं।.(व्यवधान)

श्री शिवराज सिंह चौहान (विदिशा) : लालू प्रसाद यादव जी को इस्तीफा दे देना चाहिए।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, you have made your point. That is on record.

. (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : धारा 420 का मुकदमा जिस पर हो.(व्यवधान) आज तक ऐसा कोई व्यक्ति मंत्री नहीं हुआ जिस पर 420 का मुकदमा हो।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions) .*

---

* Not Recorded.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, चारा मामले में लालू जी के खिलाफ आरोप तय हो चुके हैं। .(व्यवधान)

श्री सुशील कुमार मोदी (भागलपुर) : अध्यक्ष महोदय, लालू जी के खिलाफ चार्जेस फ्रेम हो गए हैं, इस कारण उन्हें कैबिनेट से इस्तीफा दे देना चाहिए। .(व्यवधान)

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please do not come to the well of the House.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I request you. Please do not come to the well of the House.

. (*Interruptions*)

11.06 hrs.

(At this stage Shri Sushil Kumar Modi and some other Hon. Members came and stood on the floor near the Table.)

.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः आप क्या कर रहे हैं? क्या आप किसी को बोलने नहीं देंगे?

.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः मैंने आपकी बात सुनी और बोलने के लिए एलाऊ किया, लेकिन आप सुनने के लिए तैयार नहीं हैं।

.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः क्या आप किसी को बोलने नहीं देंगे?

.(<u>व्यवधान</u>)

अध्यक्ष महोदयः आप जो करना चाहते हैं, करिए। हम क्या करें?

.(<u>व्यवधान</u>)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग क्या चाहते हैं ? What do you want? What can I do here? What would you get out of this? I have allowed him to speak.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please, sit down. आप बैठिए । आप अपनी सीट पर जाईए ।

...(व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, they have no right to disturb the Question Hour.. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The House stands adjourned till 11.30 a.m.

The Lok Sabha then adjourned till Thirty minutes past Eleven of the Clock.

11.30 hrs.

Re: Collision between 9168 Up Sabarmati Express and Goods Train at Samlaya station on Vadodara Division of Western Railways on 21st April, 2004.

The Lok Sabha re-assembled at Thirty minutes past Eleven of the Clock.

(Mr. Speaker in the Chair)

श्री सुशील कुमार मोदी (भागलपुर) : अध्यक्ष महोदय, लालू प्रसाद जी इस्तीफा दें।.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिये।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग बैठ जाइये।

.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्लीज, आप लोग बैठ जाइये।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिये, प्लीज।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हम आपसे अपील करते हैं, प्लीज, आप बैठिये। यह संसद है। हम बहुत खुश हैं कि आज श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी भी यहां आये हैं। हम नहीं जानते कि किस बात का ऐतराज है।

I requested the Leaders for a meeting. Your Party has not attended it. I am upset; I am very unhappy. My only endeavour is to see that the House runs.

Today also, when we met, Prof. Malhotra said certain things. They have been recorded. They wanted to say something. Even before I could take a decision, the hon. Members on my left, whom I respect, felt that they should raise certain slogans or certain things. All of them came here. I requested them not to

come to the well but to please speak from their seats. I am trying to control the House. What can I do except to appeal to all of you? Whatever issue you want to discuss, let us decide how to discuss and when to discuss. . (*Interruptions*)

Please let us show some respect to the Chair, not to me but to the Chair, when the Chair represents the House. If you do not want, there is a way out. I am not saying anything. I have never dreamt of sitting here. If you feel I am unfit, I am prepared to go out. But as I mentioned, this institution is much bigger than any one of us. Therefore, I appeal to all of you.

Respected Mr. Vajpayee is here. If you would like to suggest how to conduct the House, please let me know. I would ask hon. Leaders from the other side also. They are also very senior Members. I would ask other hon. Leaders to say how the House has to be conducted. I have nothing to say. If I have taken any wrong decision, I am prepared to correct myself but please allow the House to run in a proper manner. Otherwise, we are being blamed. Mr. Vajpayee, if you want to say something, please, I would be happy to hear you. I am requesting all hon. Members not to interrupt each other at least when senior Leaders are speaking.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (लखनऊ) : अध्यक्ष महोदय, आपने जो कुछ कहा है, उसे बड़ी गम्भीरता से हम लोग लेते हैं। हम चाहते हैं कि सदन अनुशासन के अंतर्गत चले और सदन की मर्यादा की रक्षा हो। लेकिन इसके लिए दोनों पक्षों की ओर से, आपके सहयोग के द्वारा ही ऐसा वातावरण बन सकता है। यहां मैं उस बड़े सवाल पर नहीं जा रहा हूं। अभी जो रेल दुर्घटना हुई थी और उस रेल दुर्घटना के बारे में कल रेल मंत्री ने सदन में वक्तव्य दिया है, मैं उसका उल्लेख करना चाहता हूं। रेल मंत्री किसी उत्तरदायित्व की भावना से वक्तव्य देंगे या जो कुछ उनके पूर्वाग्रह हैं, उसके अनुसार वक्तव्य देंगे, उनका वक्तव्य मेरे पास है। आज मैं थोड़ा समय लेना चाहूंगा, वैसे भी सदन का बहुत समय ऐसी बातों में जाया होता है।

रेल मंत्री ने रेल कर्मचारियों को दोष दिया है दुर्घटना इसलिए हुई क्योंकि रेल कर्मचारियों ने ध्यान नहीं दिया। दुर्घटना का कारण प्रथम दृष्टया रेल कर्मचारियों की गंभीर लापरवाही एवं

कर्तव्य के प्रति गैर-ज़िम्मेदारी प्रतीत होती है। प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए रेल कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। पश्चिम क्षेत्र के रेल संरक्षा आयुक्त ने घटनास्थल का निरीक्षण कर लिया है और घटना के कारणों की जांच आरंभ कर दी है।

अध्यक्ष महोदय, रेल कर्मचारी तो निलंबित कर दिये गये हैं क्योंकि दुर्घटना हो गई लेकिन रेल मंत्री को कोई सज़ा अभी तक नहीं मिली है, उन्होंने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है। ज़िम्मेदारी उनकी भी है। अगर वैधानिक जिम्मेदारी न मानें तो नैतिक जिम्मेदारी मान सकते हैं। इतनी बड़ी दुर्घटना हो जाना, इतने लोगों का मर जाना और इसके साथ रेल कर्मचारियों को दंडित करना, वहीं यह भी देखना चाहिए कि दुर्घटना कैसे हुई। .(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह क्या बात है!

...(व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : हम चार सालों से सुनते आ रहे थे कि अब रेलवे में ऐसा इंतज़ाम हो गया है कि दुर्घटना होने से पहले ही .(व्यवधान)

श्री इलियास आज़मी (शाहाबाद) : आपके समय में भी दुर्घटनाएं हुई हैं। .(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग बैठिये। हमने आप लोगों से अपील की है। आप लोगों को जब मौका देंगे, तो आप बोलें। आप इन्हें बोलने दीजिए। He is a respected senior leader of our country.

. (*Interruptions*)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, यह बात मैं इसीलिए उठा रहा हूं क्योंकि कल आपने पत्रकारों के सामने भाषण देते हुए यह कहा था कि पत्रकारों को बड़ी जिम्मेदारी से रिपोर्ट करना चाहिए।

अब रेल मंत्री के एक वक्तव्य का अगला हिस्सा मैं आपके सामने रखना चाहता हूं। मैं उद्धृत कर रहा हूँ :--

> "मुझे खेदपूर्वक सूचित करना है कि जब मैं सयाजी अस्पताल, वड़ोदरा में घायल यात्रियों से मिलने जा रहा था तो बजरंग दल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं विश्व हिन्दू परिषद् के कार्यकर्ताओं ने मेरे खिलाफ़ नारेबाज़ी की, मुझे गालियाँ दीं, मेरी गाड़ी पर हमला कर दिया और गाड़ी में लगे विन्डस्क्रीन को तोड़ दिया और मुझे शारीरिक रूप से क्षति पहुंचाने की कोशिश की। उन्होंने मुझ पर पानी से भरी बोतलें एवं बर्फ के टुकड़े भी फेंके। अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड एवं बोर्ड के अन्य पदाधिकारियों पर भी पथराव हुआ। इस संबंध में यह भी उल्लेखनीय है कि मेरे अतिरिक्त निजी सचिव ने कुछ व्यक्तियों को पैट्रोल से भरी जरीकैन एवं माचिस लेकर मेरी गाड़ी को आग लगाने के उद्देश्य से गाड़ी की ओर बढ़ते हुए देखा, ... परंतु वे अपने प्रयास में सफल नहीं हो सके।"

कुछ लोग जो आगे बढ़ रहे थे, वे रेल मंत्री की गाड़ी में आग लगाना चाहते थे, लेकिन बाद में रुक गए।

> "अस्पताल परिसर में गुजरात सरकार के पूर्व मंत्री, बजरंग दल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं विश्व हिन्दू परिषद् के कार्यकर्ताओं को भड़काते हुए देखा गया। उऩके इस असभ्य व्यवहार एवं अराजकता की स्थिति के कारण मैं अस्पताल में भर्ती कुछ घायल यात्रियों से नहीं मिल सका। इस परिस्थिति में मैंने अस्पताल से प्रस्थान करने का निर्णय लिया। गुजरात सरकार के कुछ मंत्रियों की उपस्थिति में बजरंग दल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं विश्व हिन्दू परिषद् के कार्यकर्ताओं ने दुर्घटना स्थल पर भी निरीक्षण के दौरान बाधा पहुंचाई। "

महोदय, ये गंभीर आरोप हैं।

> "जिला प्रशासन ने यथोचित सुरक्षा व्यवस्था नहीं की एवं वे पूरे घटनाक्रम के दौरान मूकदर्शक बने रहे। वहां पर पूरी तरह से अराजक स्थिति बनी हुई थी। पश्चिम रेलवे ने इस घटना के बारे में राओपुरा थाने में प्राथमिकी दर्ज की है। "
> .(व्यवधान)...

MR. SPEAKER: Respected Shri Vajpayeeji, a name was taken by him which I deleted.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The name was taken by him which I expressly deleted. Yesterday, he made a statement and he mentioned the name. I deleted that name. That name is not there. I expunged that name.

. (*Interruptions*)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : माफ कीजिए, हमें पता नहीं था कि आपने नाम निकाल दिये हैं।

.(<u>व्यवधान</u>)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : सभी नाम नहीं हटाए गए हैं, सिर्फ एक नाम हटाया है। .(<u>व्यवधान</u>)

MR. SPEAKER: I have deleted allegations against a person.

. (*Interruptions*)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, मैं दूसरी बात कह रहा हूं कि अगर यहां एक दूसरे पर अनर्गल आरोप लगाए जाएंगे, भले ही वह किसी और दल का हो, किसी भी पार्टी से संबंधित हो, अगर वह सीमा का उल्लंघन करेगा तो फिर सदन में मर्यादा कैसे रहेगी?

क्या माननीय रेल मंत्री जी से हम यह आशा करें कि वह इस तरह का वक्तव्य सदन में आ कर दें । मैं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से बचपन से संबंधित हूं .(व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा) : ये वही लोग हैं जो गुजरात.(व्यवधान)

SHRI ANANTH KUMAR (BANGALORE SOUTH): Please keep quiet. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Let us hear him.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : What is this?

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Shri Basu Deb Acharia, he is entitled to say that.

. (*Interruptions*)

SHRI ANANTH KUMAR : You sit down. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : You are entitled to say that.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : That is his belief. How can you say this?

. (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : बैठ जाइए । वाजपेयी जी, अब आप बोलिए ।

.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : बैठ जाइए । ऐसा मत कीजिए ।

.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह सही नहीं है।

.(व्यवधान)

SHRI ANANTH KUMAR : You sit down. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : I am requesting all of you to please sit down.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Please sit down. Let us hear him.

. (*Interruptions*)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मुझे सदन में बोलने से रोका जा रहा है । यह लोकतंत्र का मखौल होगा ।

MR. SPEAKER : He is entitled to say that. That is not unparliamentary. What he said, nothing is unparliamentary. He is entitled to say what he is saying.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : We should hear each other.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : I am controlling them. I am asking them to keep quiet. What can I do? You tell me how to control it?

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Therefore, I am requesting them. I request you also.

. (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : आप उन्हें रोकिए ।

MR. SPEAKER : Please sit down.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Please cooperate with the Chair.

. (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए ।

.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग एक-एक करके बोलिए ।

.(व्यवधान)

MR. SPEAKER : I earnestly appeal to you. This is not the way to function. I will see how to conduct this discussion. Leave something to me to decide.

. (*Interruptions*)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मेरा सदन के माननीय सदस्यों को उत्तेजित करने का कोई उद्देश्य नहीं है। मैं सदन से आशा करता हूं कि आप मुझे गंभीरता के साथ सुनेंगे । मैं कोई आरोप नहीं लगा रहा हूं। जो कुछ माननीय रेल मंत्री जी ने कहा है, मैं सिर्फ उसे दोहरा रहा हूं । रेल मंत्री जी ने आरोप लगाया है.(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव (पटना) : आरोप नहीं लगाया है । सही बात कही है ।.(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद (छपरा) : अध्यक्ष महोदय, मुझे इजाजत दीजिए ।

MR. SPEAKER : I will see that you get a chance.

. (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : एक साथ बोलने से क्या फायदा होगा ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : माननीय रेल मंत्री जी ने जो वक्तव्य कल यहां दिया, मैं उसी के आधार पर बोल रहा हूं । मुझे बोलने से रोका जा रहा है ।.(<u>व्यवधान</u>)

श्री कैलाश जोशी (भोपाल) : कल भी सदन में यही होता रहा है ।

MR. SPEAKER : Can you sit here and decide?

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Everything is on the record.

. (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग भी हमारी बात नहीं सुनते हैं । हम क्या करें । हम सभी सदस्यों से हाथ जोड़ कर प्रार्थना करते हैं कि आप बैठ जाइए

.(<u>व्यवधान</u>)

MR. SPEAKER : Some day it will be realised that what I say means business. Shri Vajpayeeji, please continue.

. (*Interruptions*)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, जब आप नाराज हो जाते हैं तो हमें अच्छा नहीं लगता है ।

अध्यक्ष महोदय : मैं आपको बोलने का मौका देने की कोशिश करता हूं ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : हम आपसे यही आशा करते हैं ।

अध्यक्ष महोदय : हम कोशिश करते हैं । मैं कोई सुपरमैन नहीं हूं

.(<u>व्यवधान</u>)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, कल जो वक्तव्य यहां दिया गया था, उसकी कॉपी मेरे पास है। उसमें संगठनों का नाम लेकर उन पर आरोप लगाए गए हैं। आप कहते हैं कि नाम निकाल दिए हैं। .(<u>व्यवधान</u>)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : नाम नहीं निकाले गए हैं। .(व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : नाम नहीं निकाले गए हैं।

MR. SPEAKER: This does not come under the rule. जो रूल में था, वही हमने किया है।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हमने कहा है कि जिन इंडीविजुअल्स का नाम लिया गया था, उन्हें निकाल दिया गया है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, अगर इंडीविजुअल का नाम न लें, लेकिन व्यक्ति जिस पार्टी से संबंधित है, उस पार्टी का पूरा नाम लिया गया है। .(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Vajpayee, may I say one thing? I would have allowed today. He also started without any notice, even in the Question Hour, and I did not stop him. I made a request to Prof. Vijay Kumar Malhotra that I would have permitted him on a proper notice any day to give his version on this, as you are giving it. I never said 'no'. Ask anybody on your side whether I said 'no'. But if everybody speaks, I cannot even hear what is being said.

Therefore, my appeal to you again is - I am very happy that you have come today - that I shall help you and everybody to find out methods to decide this, discuss this and make your views very strongly, as you are doing today. I never stopped what could be done. When the Question Hour started, the first Question could not be put. You have yourself condemned many times. I have your speeches and observations. What I am saying is that on some occasions, a situation arises when Members feel very agitated and even the Question Hour cannot be held. It is not that I am trying to blame anybody on your side. My only appeal is to please find the way of how to discuss whatever you want to discuss. I have allowed you to speak. If something has been said, it could have been said to me that allow a discussion. I would have done it. आपने कभी मांगा नहीं। जो नाम हमारे सामने आए, हमने उन्हें देखा और उन्हें निकाल दिया। It is according to the rules that I have done it.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : नाम नहीं निकाले गए हैं।

अध्यक्ष महोदय : वे नाम नहीं हैं। इंडीविजुअल का नाम निकाल दिया गया है। If I had made a mistake, some representation could have been made to me. Nobody said to me that I had made a mistake. I would have looked into it very carefully.

...(व्यवधान)

श्रीमती किरण माहेश्वरी (उदयपुर) : सर, आप तो बोलने नहीं देते हैं।

अध्यक्ष महोदय : हमने आपको कब बोलने नहीं दिया ? Shrimati Kiran Maheswhari, you are saying this. This is very unfair. आपको सबसे ज्यादा बोलने दिया गया है।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : उस तरफ से लगातार जो कहा गया है वह केवल *...

इसमें से नाम नहीं निकाले गए हैं। जिन संगठनों का नाम लिया गया है, उन्हें डिलीट नहीं किया है। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप उनसे कहिए कि वे संगठन के नामों को डिलीट करें। .(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए। यह क्या हो रहा है। श्री खारबेल स्वाईं, आप बैठ जाइए। This is not your seat.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: What more can I say? When the Minister was speaking, what was the condition in the House? I will show you the TV footages. Even I could not hear. Therefore, I said 'let me know what he said'. When I found that names were there, I deleted the names.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: If you feel something else should have been done, you could have come and told me. You could have raised it.

. (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : यह तो आज सुबह हमने रेज किया था और कहा था कि जो संघ और बंजरंग दल का नाम है, वे नाम नहीं निकाले गए हैं। .(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I cannot help it. Please sit down.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It is very easy to blame the Chair.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: My only intention is, since I am here, to try to find out how to conduct the House so that our reputation is not sullied. Unfortunately, I told you yesterday that when I met a senior freedom fighter, he said 'आंखों से आंसू निकलते हैं।'

. (*Interruptions*)

---

* Not Recorded.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, कल से अब तक आप फ्रीडम फाइटर का चार बार जिक्र कर चुके हैं, लेकिन कभी आपने यह नहीं कहा कि सरकार में टैंटेड मिनिस्टर नहीं होंगे, सरकार दागी मंत्रियों के भरोसे नहीं चलेगी, सरकार में सम्मानित लोग होंगे। .(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please sit down. I request Shri Vajpayee to continue.

. (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : वाजपेयी जी, अब आप बोलिए।

.(व्यवधान)

श्री अनंत गंगाराम गीते (रत्नागिरि) : ये बोलते हैं कि हम सारे देश के दुश्मन हैं।.(व्यवधान) यहां जितने माननीय सदस्य बैठे हैं, क्या ये सारे देश के दुश्मन हैं?.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I only wanted to convey the message that we are not living up to the expectations of the freedom fighters.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Mr. Vajpayee, do you want to say anything more on this issue?

. (*Interruptions*)

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : अध्यक्ष महोदय, मेरा नाम वाजपेयी जी ने लिया है, इसलिए मैं बोलना चाहता हूं।.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : लालू जी, हम आपको बुलाएंगे। वाजपेयी जी, आप बोलना चाहते हैं तो बोलिए।

.(<u>व्यवधान</u>)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Sir, how could he know who all were present there? . (*Interruptions*)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : हम आपकी भावनाएं समझना चाहते हैं और उन भावनाओं के अनुसार सदन चले, यह हमारी इच्छा है, लेकिन अगर सदन इस तरह चलेगा कि यहां कुछ संगठनों के नाम लिए जाएंगे और यह कहा जाएगा कि संगठन के लोगों ने मारने की कोशिश की थी,.(व्यवधान) जानलेवा हमले की कोशिश की थी।.(व्यवधान) क्या आप इसे स्वीकार करेंगे? यह गंभीर आरोप है।.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हम सोचेंगे, इसे फिर देखेंगे। आपने जब इसे उठाया है, तो मैं फिर वीडियो मंगा कर देखूंगा।

.(व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : आप भविष्य में इसका ध्यान रखिए, यही मैं आपसे कहना चाहता हूं। इस तरह के दोषारोपण नहीं होने चाहिए।.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बोलिए।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, मैं दूसरी बात यह कहना चाहता हूं कि जब इतनी बड़ी रेल दुर्घटना हो गई तो क्या रेल मंत्री जी का यह नैतिक कर्तव्य नहीं है कि वह इस्तीफा दे दें।.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : इसमें हम क्या कर सकते हैं? I cannot ask him to do it.

. (*Interruptions*)

श्री बसुदेव आचार्य : क्या आपने सन् 2002 में इस्तीफा दिया था?.(व्यवधान) क्या गुजरात कांड के बाद आपने इस्तीफा दिया था, जो आज आप इनसे इस्तीफा मांग रहे हैं?.(व्यवधान)

मोहम्मद सलीम (कलकत्ता-उत्तर पूर्व) : उस समय वाजपेयी जी ने नरेन्द्र मोदी जी की वकालत की थी।.(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल (चण्डीगढ़) : बीजेपी के लोग आज नैतिकता की बात कर रहे हैं।.(व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य : आप सन् 2002 में कहां थे?.(व्यवधान) आज आप नैतिकता की बात करते हैं।.(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : वाजपेयी जी ने उस समय अपना बयान क्यों बदल दिया और गुजरात में दंगा पीड़ितों को देखने के बाद नरेन्द्र मोदी से कहा कि राजधर्म का पालन करो, हम दुनिया को क्या मुंह दिखाएंगे।.(व्यवधान) आज आप नैतिकता की बात करते हैं।.(व्यवधान) आपने उस समय नैतिकता की बात क्यों नहीं की? आपको उस समय इस्तीफा दे देना चाहिए था.(व्यवधान)

11.54 hrs.

(*At this stage, Shri Ratilal Kalidas Varma, Shri Dushyant Singh and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.*)

MR. SPEAKER: Mr. Vajpayee, I would like to draw your kind attention to our Rules. Our Rules specifically mention that no allegation can be made against any person.

. (*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Allegation should not be levelled against any party also. . (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : यह इसमें साफ लिखा है। आप आइये, हमें रूल्स समझाइये, हम वैसा ही करेंगे, लेकिन हाउस चलने दीजिए।

...(व्यवधान)

श्री अनंत कुमार : इस तरह से हाउस नहीं चलेगा।

श्री पवन कुमार बंसल : ये जब यहां हाउस न चलने देने के लिए आगे बढ़ रहे हैं, तो वहां ये लोग क्या कर रहे होंगे।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am very, very sorry about what is happening here. I can only express my anguish once again. It seems that all the sincere efforts I am making are going waste. The Question Hour is still on. Even then, when I saw that Vajpayee ji is here, I was very happy and I myself requested him to speak; he has spoken. But if you want some other thing, the Chair cannot do that. 'Resignation' depends on the Government and depends on him. You are so agitated, but please allow the House to run. They would say that they want to reply to that.

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : इस तरह कैसे चलेगा? Then, I shall have to do that. Do you want to say anything more, Vajpayee ji? आप बोलिये।

...(व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री तथा शहरी विकास मंत्री (श्री गुलाम नबी आज़ाद) : एक मिनट लूंगा। मैं इस साइड के लोगों से निवेदन करूंगा कि माननीय वाजपेयी जी को जो भी बात कहनी है, वे बोलें, कोई भी बीच में बात नहीं करेगा। उसके बाद इस तरफ से भी अगर कोई बोलना चाहे तो शान्ति से, बगैर किसी लड़ाई-झगड़े के सुनना चाहिए। अटल जी को हम सुनेंगे।.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बोलिये।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये न। आप लोगों को क्या हो रहा है? आप लोग यहां क्या तय करना चाहते हैं, क्या सिद्ध करना चाहते हैं?

...(व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, बहुत अच्छा होगा, अगर यह पद्धति डाल दी जाये कि एक उधर से बोले और एक इधर से बोले।

अध्यक्ष महोदय : हम यही तो चाहते हैं।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मगर इसमें अपोजीशन घाटे में रहेगा।

MR. SPEAKER: This is a place for dialogue and debate.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : क्या इस सदन में नैतिकता की बात करना अपराध है?

अध्यक्ष महोदय : नहीं। आप इसे छोड़िये।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : क्या मैं सदन में खड़े होकर कुछ नहीं कह सकता.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I endorse the appeal made by the hon. Minister of Parliamentary Affairs that you should be allowed to speak without any interruptions. I am appealing to everyone that Vajpayee ji should be heard without any disturbance. आप बोलिये।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अगर अब माननीय सदस्य धैर्य से काम लें तो मुझे बड़ी प्रसन्नता होगी। यह बात मैं केवल इस अवसर पर लागू नहीं कर रहा हूं। हम पार्टियों के मैम्बरों से किसी

दोष के कारण, किसी अपराध के कारण त्याग-पत्र दिलवा चुके हैं। मैं उन सदस्यों के नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन क्या कोई कह सकता है कि नैतिकता में हमारा विश्वास नहीं है?.(व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य : लेकिन फिर वापस ले लिया।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : ठीक है। आपका विश्वास नहीं है, तो हम क्या कर सकते हैं, लेकिन नैतिकता के बिना यह सदन नहीं चलेगा। मुझे ताज्जुब है कि रेल दुर्घटना के ऊपर वक्तव्य दिया जाना था, रेल मंत्री द्वारा नहीं, गृह मंत्री द्वारा वक्तव्य दिया जाना था, लेकिन गृह मंत्री ने वक्तव्य नहीं दिया। उन्होंने कहा कि यह अनैतिक काम मैं नहीं करूंगा।.(व्यवधान)

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): Please do not twist it that way.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : इतनी बड़ी दुर्घटना हो जाये.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रेल दुर्घटना के बारे में रेल मंत्री का बयान आना चाहिए, वह आया है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं । आप पुराने सदस्य हैं।

12.00 hrs.

संसदीय परम्पराएं आपको मालूम है ।

अध्यक्ष महोदय : सब भूल जाते हैं । सभी भूल गए हैं ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सचमुच में त्याग पत्र मांगने की जरूरत ही नहीं पड़नी चाहिए, बल्कि उन्हें तत्काल त्याग-पत्र दे देना चाहिए । .(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : दोनों तरफ के इन्सटांसेज़ हैं । ऐसे इन्सटांसेज़ हैं कि घटना भी हुई है और त्याग पत्र भी दिया गया है ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मैं निवेदन कर रहा हूं कि इस वक्तव्य में जो भी आपत्तिजनक शब्द एवं कथन हैं, वे निकाल दिए जाएं ।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nobody can do it; 0nly I can do it. Therefore, I have to consider it.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : उनको देखना मंत्री महोदय का काम है । मंत्री महोदय उसे अभी देख लें और उन शब्दों को कार्यवाही से निकाल दिया जाए । दूसरी बात यह है कि अगर नैतिकता का मानदंड स्वीकार नहीं करेंगे तो फिर यह सदन किस तरह चलेगा, इस पर भी विचार कर लिया जाना चाहिए।.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह क्या बात है?

...(व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, इस वक्तव्य में और भी इस तरह की बातें कही गई हैं, जो नहीं कही जानी चाहिए थीं । आखिरकार श्री लालू प्रसाद जी इस सदन के सम्मानित सदस्य हैं । वे एक ऊंचे पद पर बैठे हुए हैं । वे जो भाषा बोलते हैं उसे बच्चे सुनते हैं । हालत यहां तक हो गई है कि बड़ों पर उन बातों का कोई असर नहीं पड़ता है, लेकिन बच्चों पर उनका असर पड़ता है । अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि सदन में मैं कोई नया सदस्य नहीं हूं । इस सदन में मुझे लगभग 50 वर्ष हो चुके हैं। मैंने कभी सदन की मर्यादा का उल्लंघन नहीं किया है । .(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : क्या बात है?

.(व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, चमड़े की जुबान है कभी-कभी फिसल जाती है । मैंने सदन की मर्यादा का कभी उल्लंघन नहीं किया है । .(व्यवधान)

MR. SPEAKER: After a long time, there is laughter in the House. I am not agreeing to that, but at least there is some change in the atmosphere. आप बोलिए, हम आपको सुनना चाहते हैं।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग छोड़िए। हम तो उन्हें बताने की कोशिश कर रहे हैं। आपकी बात तो सुनेंगे नहीं, फिर क्यों बोल रहे हैं? आप भी नहीं सुनते हैं, कोई भी नहीं सुनता है ।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: It has become common on all sides.

. (*Interruptions*)

मोहम्मद सलीम : यह मल्होत्रा जी का असर है ।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Mr. Salim, no cross talks please.

. (*Interruptions*)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : आपने कहा कि जो आपत्तिजनक बातें हैं । .(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने कहा कि हम सोचेंगे और रूल के मुताबिक देखेंगे ।

...(व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, श्री लालू प्रसाद जी को स्वयं इन बातों को मान लेना चाहिए ।

MR. SPEAKER: That depends on him, not on me.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मैं नहीं चाहता हूं कि इस तरह के शब्द सदन की कार्यवाही में जाएं। अगर जाएंगे तो यह सदन की मर्यादा का पालन नहीं है। श्री लालू प्रसाद जी को स्वयं खड़े होकर इन शब्दों को निकालने की बात मान लेनी चाहिए। यह सदन की मर्यादा का पालन नहीं है। मगर श्री लालू प्रसाद जी इन सब बातों पर पहले ध्यान नहीं देते हैं, जिससे बाद में कठिनाई पैदा होती है ।

अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि सदन का संचालन अगर ठीक तरह से करना है, तो श्री लालू प्रसाद जी जैसे मंत्री नहीं रहने चाहिए । अब आप कहेंगे कि यह मेरे हाथ में नहीं है । मैं जानता हूं कि बहुत-सी बातें आपके हाथ में नहीं हैं, किंतु कुछ चीजें आपके हाथ में आ रही हैं। कुछ और चीजें आप अपने हाथ में ले लीजिए ।

अध्यक्ष महोदय : आप हमें समझाइए कि हम क्या अपने हाथ में लें? हम और क्या शक्तियां लें?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : स्पीकर साहब और अधिक अधिकार लेने के लिए तैयार हैं.(<u>व्यवधान</u>)

अध्यक्ष महोदय : हम आपके पास आएंगे, तब आप मुझे समझाना। I am very happy that you have come today and I am pleased that you have intervened in this matter.

...(<u>व्यवधान</u>)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, मुझे और कुछ नहीं कहना है । धन्यवाद।

...(<u>व्यवधान</u>)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : लालू जी ने जो शब्द कहे थे, वे उन्हें विदड्रा करें।.(<u>व्यवधान</u>)

अध्यक्ष महोदय : आप उनकी बात सुनिए।

...(<u>व्यवधान</u>)

श्री लालू प्रसाद : मैं आपकी मुसीबत को समझ रहा हूं। मैं वाजपेयी जी का बहुत आदर करता हूं। वे जिस दल में हैं, जिस संगठन में हैं, उन्होंने बार-बार स्वीकार किया है कि वे राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के हैं। मैं उनके आहत होने का कारण भी समझ रहा हूं।.(व्यवधान) जहां तक संघ परिवार, बीजेपी की बात है, जब हम आपस में चर्चा करते हैं तब वाजपेयी जी के बारे में हमारी अवधारणा अलग होती है कि वे मॉडरेट हैं, कुछ अच्छा काम भी करना चाहते हैं लेकिन उन्हें करने नहीं दिया जाता।

हाल के दिनों में मीडिया के एक साथी ने जब उनका इंटरव्यू लिया.(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : मीडिया बीच में कहां से आ गया।.(व्यवधान)

श्री गुलाम नबी आज़ाद : आप अटल जी की तारीफ नहीं सुनना चाहते।.(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : आप हमारी बात तो सुनिए।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, hear him. He has not said one unparliamentary word.

. (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded.

(Interruptions) .*

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए। अभी इन्होंने कुछ भी अनपार्लियामैंट्री नहीं कहा। यह क्या बात है।

...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : मैं आपके खिलाफ कोई अनपार्लियामैंट्री शब्द, कोई डैरोगेटरी शब्द इस्तेमाल कर ही नहीं सकता।.(व्यवधान) मैं विषय पर आता हूं।.(व्यवधान) वाजपेयी जी ने कहा कि अब हमारे जिम्मे कोई काम नहीं है।.(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : लालू जी फिर वही बात कर रहे हैं। वाजपेयी जी को कोई काम नहीं है। इसका रेल दुर्घटना से क्या ताल्लुक है।.(व्यवधान) इन्होंने कल भी यही किया।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: It is very unfortunate. Let him say. उसके बाद हम देखेंगे।

. (*Interruptions*)

---

* Not Recorded.

अध्यक्ष महोदय : इन्होंने उनके खिलाफ कुछ नहीं बोला, किसी के खिलाफ कुछ नहीं बोला।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Do not anticipate.

. (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : अगर कुछ खिलाफ बोलेंगे, तब हम देखेंगे। सब माननीय सदस्यों ने वाजपेयी जी की बात सुनी है। सब उनका आदर करते हैं।

...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : आज तक मेरी बात सुनी ही नहीं गई। मैं जब-जब बोलने के लिए खड़ा हुआ, मुझे गालियां दी गईं। मुझे आज भी गालियां दी गईं। मुझे एक ही बात पर कितनी बार गालियां दी गईं हैं। चारा चोर, खजाना चोर कहकर आज भी गालियां दी गईं हैं।.(व्यवधान) भाजपा पर जब संकट आता है, तब संकट हरण के रूप में वाजपेयी जी को लाया जाता है।.(व्यवधान) आप मेरी बात तो सुनिए।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon Members, you cannot dictate to anybody as to what they have to say.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nobody can dictate to him.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Wait for your turn please.

. (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : पहले आप इनकी बात सुनिए। हमने कहा है कि हम उसके बाद श्री प्रभुनाथ सिंह जी की बात सुनेंगे।

...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : आप जिस रूप में व्यवहार करना चाहते हैं, करें, आपको छूट है, आप कर सकते हैं।.(व्यवधान) मैं कह रहा था कि आज वाजपेयी जी को ....*

MR. SPEAKER: That is deleted. I will delete it.

. (*Interruptions*)

---

* Not Recorded.

अध्यक्ष महोदय : वह डिलीट हो गया।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, वाजपेयी जी हमारी पार्टी के सीनियर लीडर हैं।

.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Only the speech of Shri Lalu Prasad will go on record.

(Interruptions) .*

श्री गुलाम नबी आज़ाद : अध्यक्ष महोदय, माननीय अटल बिहारी जी ने अपने भाषण में रेल मंत्री जी के बारे में पूरा उल्लेख किया है। रेल मंत्री जी को उसका उत्तर देने का बराबर का हक है। .(व्यवधान) अब माननीय अटल बिहारी जी क्या कहें, हमने यह थोड़े ही कहा है कि आप यह कहें या वह कहें। आप इनका एजेंडा थोड़े ही तय करेंगे कि ये क्या कहेंगे और क्या नहीं कहेंगे। यह गलत बात है। .(व्यवधान) यह कोई गाली तो नहीं दे रहे हैं। .(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : जो चार्जेज उन्होंने लगाए हैं, उन्हें वे विदड्रा करें। .(व्यवधान)

श्री गुलाम नबी आजाद : लालू जी अपनी बात स्पष्ट कर रहे हैं। यह गलत बात है। .(व्यवधान) यह जबर्दस्ती वाली बात नहीं हो सकती। .(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You cannot address each other. You have to address the Chair.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: If the senior Members go on addressing each other, तो यह हाउस कैसे चलेगा ? हमने आपसे रिक्वैस्ट की थी कि if he says anything unparliamentary, certainly you have a right to raise it. No hon. Member can dictate to another Member about how to speak and what to speak. यह क्या बात है ? आप बैठिये। हम

बहुत खुश हुए कि श्री वाजपेयी जी ने यहां आकर अपनी बात रखी। उनकी बात को हमने ध्यान से सुना है। हम उनकी रिसपैक्ट करते हैं। लालू जी, आप बोलिये। Please see that no controversial thing is said.

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, सच सच होता है। सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के उसूलों से .(व्यवधान)

---

* Not Recorded.

अध्यक्ष महोदय : क्या आप इसे भी अपोज करते हैं? आप स्टेटमैंट भी अपोज कर रहे हैं। सच्चाई छुपानी नहीं चाहिए, क्या आप इसे भी अपोज करते हैं ?

...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के उसूलों से, खुशबू आ नहीं सकती कभी कागज के फूलों से .(व्यवधान) आप बोल रहे हैं कि मैं घटनाक्रम पर कन्सैंट्रेट करूं। इस सदन में हमारी बहन श्रीमती जयाबहन ठक्कर तीन टर्म्स से आपकी पार्टी की सांसद हैं। हम उनका आदर करते हैं। अपने बजट भाषण में वे सही बातें तथा जो भी कंसट्रक्टिव सुझाव होते हैं, उसे रखती हैं। हम देख रहे हैं कि जब से यह घटना हुई है, तब से वे एक दिन भी सदन में नहीं आयी हैं। .(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : उन्होंने आपको और प्राइम मिनिस्टर को लिखा है। उसमें लिखा है कि आप बिल्कुल गलत बयान दे रहे हैं। .(व्यवधान) Shrimati Jayaben Thakkar has made a statement. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: How can you reply to that?

...(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : श्रीमती जयाबहन ठक्कर ने आपको, हमको और प्राइम मिनिस्टर को लिखा है। उन्होंने लिखा है कि लालू जी सब गलत बोल रहे हैं। .(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, आप इसे भी निकाल दीजिए।.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, इसे भी निकाल दिया।

...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, उनको यह भी ग्राह्य नहीं है, तो आप इसे भी निकाल दीजिए। आप जो चाहिए, लिखवा लीजिए। आपने जांच करने के लिए श्री मोदी जी को भेजा। मोदी के पक्ष में मोदी गये। हमारे सैक्रेट्री भी थे। .(व्यवधान) मैंने घटनास्थल पर जाने से पहले कोई भेदभाव

नहीं किया। माननीय सदस्या श्रीमती जयाबहन ठक्कर को हम अपने साथ प्लेन में लेकर गये। उनको हमने अपने साथ रखा। श्री नरेन्द्र मोदी के तीन मंत्री भी वहां पर थे। क्या यह सच नहीं है, इसका आप पता करिये। जिस जगह ट्रेन के ऊपर ट्रेन के डिब्बे पड़े थे, उसे विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल का पट्टा लगाये हुए लोगों ने बिल्कुल कैप्चर कर लिया था। .(व्यवधान)

महोदय, इसके बाद जो मैंने कहा है,.(व्यवधान) मैं जो सदन में कह रहा हूं,.(व्यवधान) और कल तक कहता रहूंगा।.(व्यवधान) जिन्दगी भर कहता रहूंगा कि जिस जाति और बिरादरी में मैंने जन्म लिया है, यह जाति और कौम बनावटी बात नहीं करती है। अगर हमला होता है तो.(व्यवधान) मेरी बात सुनिए।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Only the statement of Mr. Lalu Prasad will be recorded.

(Interruptions) .*

श्री लालू प्रसाद : मैं असत्य नहीं बोलता हूं।.(व्यवधान) आदरणीय वाजपेयी जी ने कहा है और सुझाव दिया है।.(व्यवधान) जरा सुनिए। .(व्यवधान) कितनी दिक्कत हम लोगों को काम करने में होती है।.(व्यवधान)

श्री खारबेल स्वाईं (बालासोर) : अध्यक्ष महोदय, ये लोग.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Do not record what Mr. Swain is speaking.

(Interruptions) .*

अध्यक्ष महोदय : लालू जी, आप बोलिए।

.(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : हमें बात करने दीजिए।.(व्यवधान) आप लोग सुनिए न।.(व्यवधान) एक कहावत है: "वहां न खोजिए जहां होती है आग" .(व्यवधान) महोदय, हमारे साथ दिल्ली के सभी मीडिया के लोग गये थे। श्री सुकेश रंजन, जो 'आज तक' के संवाददाता हैं।.(व्यवधान) बोलने दीजिए। हमारी बात सुनिए।.(व्यवधान) श्री सुकेश रंजन ने अपने हैड क्वार्टर को जो फीड किया है। यह ऑफिशियल, .(व्यवधान) महोदय, ये लोग हमें सुनने नहीं देंगे।.(व्यवधान) ये सुकेश रंजन क्या बोल रहे हैं, जरा सुनिए। ये सी.डी.िदखा रहे हैं। "देखिए संजय.... मैं आपको बताऊं, में उनके साथ ही था। मैं उनके साथ घटनास्थल तक गया था। पहली बार जब वे स्टेशन पहुंचे थे, वहां भी बजरंग दल औऱ विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता थे। " यह सुकेश रंजन ने अपने हैड क्वार्टर को फीड किया है। उसके बाद फिर सुनिए, "उन्होंने लालू यादव मुर्दाबाद के

नारे लगाए। काफी भीड़-भाड़ थी.... वहां लालू ठीक से इंस्पेक्ट नहीं कर पाए। वहां से उनको आनन-फानन में लौटना पड़ा।.... पुलिस एस्कोर्ट में उनको गाड़ी में बिठाया गया। "

---

* Not Recorded.

यह पूरा मैं सदन की मेज पर रख देता हूं। *.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हम देखेंगे। After that, I will see to it.

. (*Interruptions*)

श्री लालू प्रसाद : महोदय, आगे अस्पताल में किस तरह से हम पर जानलेवा हमला हुआ।.(व्यवधान) यह मैं नहीं बल्कि 'आज तक' अखबार के रिपोर्टर और जो डी.डी.-2 इन सारे लोगों ने रिपोर्ट किया है।.(व्यवधान) मैं अपने बयान पर कायम हूं।.(व्यवधान) जानलेवा हमला हमारे ऊपर हुआ है।.(व्यवधान) मैं अपने बयान पर कायम हूं। हमारे ऊपर जानलेवा हमला हुआ है।.(व्यवधान) और ये लोग नैतिकता की बात करते हैं।.(व्यवधान)

12.19 hrs.

(At this stage Shri Sushil Kumar Modi and some other Hon. Members came and stood on the floor near the Table.)

श्री लालू प्रसाद : सन् 2004-05 में 234 रेल दुर्घटनाएं हुईं और 231 लोग हताहत हुए, 2003-04 में 325 रेल दुर्घटनाएं हुईं और 294 लोग हताहत हुए और 2002-03 में 351 रेल दुर्घटनाएं हुईं तथा 418 लोग हताहत हुए। उस समय क्या किया था ? .(व्यवधान) मैं अपने बयान पर कायम हूं।

इसी प्रकार वर्ष 2001-2002 में 414 दुर्घटनायें हुईं और 326 लोग मारे गए । वाजपेयी जी हमें नैतिकता का पाठ पढ़ा रहे हैं, उन्होंने इन घटनाओं के समय क्या किया था? महोदय, मैं अपने बयान पर कायम हूँ। .(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : I have called Shri Prabhunath Singh. यह क्या बात है, मैंने श्री प्रभुनाथ सिंह को बोलने के लिए बुलाया है। प्लीज, आप लोग बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :वह एनडीए के एक घटक दल से हैं, उनकी बात तो सुनिए।

मोहम्मद सलीम : महोदय, क्या यह व्यवहार अनपार्लियामेंटरी नहीं है?.(व्यवधान) जब भी कोई सदस्य इधर से बोलने के लिए खड़ा होता है तो ये लोग डिस्टर्ब करते हैं। ये लोग नया नियम बना रहे

---

* As the Speaker subsequently did not accord the necessary permission, the video clipping was not treated as laid on the Table.

हैं।.(व्यवधान) इनको दूसरों की बात सुनने की भी क्षमता रखनी चाहिए। लेकिन ये लोग दूसरों की सुन नहीं सकते हैं। .(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will decide about that later on.

. (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, मुझे बोलने से रोका जा रहा है.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आइए, आप यहाँ बैठकर बताइए कि मैं क्या करूं। आप अपने लीडर को यहाँ बैठने के लिए कहिए। मैं बार-बार हाथ जोड़कर सबसे अपील कर रहा हूँ कि आप लोग एक दूसरे की बात सुनिए।

...(व्यवधान)

मोहम्मद सलीम : महोदय, इन लोगों की तरफ से यह दोहरा मापदण्ड क्यों अपनाया जा रहा है .(व्यवधान) यह दोहरी नीति है .(व्यवधान) ये लोग किसी और की बात नहीं सुन सकते हैं.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, आप बैठ जाइए।

When the Question Hour started, Questions could not be taken up.

Now we go to papers to be laid.

...(व्यवधान)